* मौर्य की उत्पत्ति (शूद्र उत्पत्ति संबंधी मान्यता) :-

(i) ब्राह्मण साहित्य :- विशेषकर पुराणों में मौर्य को शूद्र वर्ण माना गया है।

(ii) मुद्राराक्षस :- मौर्य को वृषल या कुलहीन शूद्र वंश बताया गया।

(iii) विष्णु पुराण :- मध्यकालीन टीका तथा 10वी शताब्दी की मुद्राराक्षस की टीका से यह आभास निकलता है कि चन्द्रगुप्त का जन्म नंद राजा की पत्नी मुरा से हुआ था। मुरा के उत्पन्न के कारण ही चन्द्रगुप्त मौर्य कहलाया।

(iv) बृहत्कथामंजरी / कथासरित्सागर :- चन्द्रगुप्त को निम्नकुल में उत्पन्न व्यक्ति बताया गया है।

सामान्य कुल की मान्यता :-

- यूनानी साहित्यिक स्रोत तथा जस्टिन के अनुसार मौर्य वंश सामान्य कुल से थे।

क्षत्रिय वर्ण संबंधी मान्यता :-

(i) जैन स्रोत :- हेमचन्द्र रचित प्रसिद्ध जैन ग्रंथ परिशिष्टपर्वन में चन्द्रगुप्त मौर्य को मोर पालने वाले समुदाय के मुखिया का पुत्र कहा गया है।

(ii) बौद्ध स्रोत :- महापरिनिर्वाण के बाद बुद्ध के अवशेषों की मौर्यों के द्वारा किया जाना इस बात का द्योतक है कि मौर्य क्षत्रिय थे, क्योंकि बुद्ध भी क्षत्रिय थे।

- बौद्ध ग्रंथ दिव्यवादन में बिन्दुसार व अशोक को भी क्षत्रिय कहा गया है।

(iii) अधिकांश इतिहासकार मौर्यों को क्षत्रिय मानते हैं।

* चन्द्रगुप्त मौर्य के विभिन्न नाम :-

यूनानी ग्रंथ में चन्द्रगुप्त मौर्य के 3 नामों का उल्लेख मिलता है।

(i) सैन्ड्रोकोट्स :- इस शब्द का प्रयोग स्ट्रोबो, एरियन, एवं जस्टिन ने किया था।

(ii) एन्ड्रोकोट्स :- इस नाम का प्रयोग एप्पियानस और प्लूटार्क ने किया था।

(iii) सैन्ड्रोकोट्स :- इसका प्रयोग निर्याकस ने किया था।

Note :- 28 feb, 1793 ई० में सर विलियम जोंस ने रॉयल एशियाटिक सोसाइटी के सम्मुख बताया की ये तीनो नाम चन्द्रगुप्त मौर्य के ही हैं।

Scanned with CamScanner

Ashish Kumar Thakur
B.A.1, History, paper-1
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur
L.N.M.U. Darbhanga.

मौर्य कालीन स्त्रोत

- पुरातात्विक स्त्रोत
  - अभिलेख
    - मौर्य
      - अशोक
        - शिलालेख
          - 10 स्थलों पर 14 शिलालेख
          - 3 लघु शिलालेख
          - 2 विशिष्ट कलिंग शिलालेख
        - स्तम्भ लेख
          - 6 स्थलों पर 7 स्तम्भ लेख
          - 3 स्थलों पर 3 स्तम्भ लेख
        - गुहा लेख
          - बराबर पहाड़ियों में 3 गुहा लेख
      - सोहगौरा व महास्थान
      - दशरथ का नागार्जुनी गुहालेख
    - शक शासक
      - रूद्रदामन का जुनागढ़ अभिलेख
  - मुद्रा
    - चांदी का पन
  - कला अवशेष
    - दरबारी कला
      - स्तम्भ स्तूप गुफा महल
    - लोक कला
      - मूर्ति कला व मृण्यमूर्तियां
  - भौतिक अवशेष
- साहित्यिक स्त्रोत
  - धार्मिक साहित्य
    - बौद्ध ग्रंथ
      - देशी ग्रंथ
        - जातक
        - त्रिपिटक
      - विदेशी ग्रंथ
        - दीपवंश
        - महावंश
    - जैन ग्रंथ
      - परिशिष्ट पर्वन
      - भगवती सूत्र
    - ब्राह्मण पुराण
  - लौकिक साहित्य
    - कौटिल्य का अर्थशास्त्र
    - मेगास्थनीज का इंडिका

Ashish